PRESS RELEASE
For Immediate Publication

पिछले दशक में मोटापे के कारण 40% बढ़ी किडनी के मरीजों की संख्या

- विश्व गुर्दा दिवस (वर्ल्ड किडनी डे) पर उन उपायों के बारे में जागरूकता फैलाएं, जिससे हम मोटापे और क्रोनिक किडनी रोग से बच सकते हैं

नई दिल्ली, 07 मार्च, 2017: पिछले दशक में कैंसर और हृदय रोग के साथ ही किडनी (गुर्दा) संबंधी बीमारियां और मोटापा एक बड़ी स्वास्थ्य समस्या के तौर पर उभरी है और इसके मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। चिकित्सकों का कहना है कि मोटापा और क्रोनिक किडनी की बीमारी (सीकेडी) एक साथ होना बहुत ही घातक है। फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल (एफएचवीके) में फोर्टिस इंस्टीट्यूट ऑफ रीनल साइंसेज एंड ट्रांसप्लांट (एफआईआरएसटी) के निदेशक, नेफ्रोलॉजी डॉ. संजीव गुलाटी के अनुसार, ''फोकल सेगमेंटल ग्लोमेरुलोस्केलेरोसिस (एफएसजीएस) एक खतरनाक स्थिति है और इसकी वजह से किडनी फेल्योर हो सकता है तथा इसके उपचार का एकमात्र विकल्प डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट है। यह जानना भी महत्वपूर्ण होगा कि मोटापे को एफएसजीएस की एक अहम वजह माना जाता है।''

डब्ल्यूएचओ के अनुसार, वर्ष 2025 तक दुनिया भर में 18% पुरुष और 21% से ज्यादा महिलाएं मोटापे से प्रभावित होंगी। इसके प्रमाण हैं कि मोटापा क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) और एंड–स्टेज रीनल रोग (ईएसआरडी) के विकास का संभावित जोखिम का कारक है। जिन लोगों का वजन ज्यादा होता है या मोटे होते हैं, उन्हें ईएसआरडी होने का जोखिम सामान्य वजन वाले लोगों की तुलना में 2 से 7 गुना ज्यादा होता है। मोटापे से सीकेडी होने का खतरा प्रत्यक्ष और परोक्ष दोनों तरह से होता है। परोक्ष रूप से इससे टाइप 2 डायबिटिज़, हाइपरटेंशन और दिल की बीमारी हो सकती है और सीधे तौर पर किडनी तथा अन्य मैकेनिज़्म पर काम का ज्यादा बोझ पड़ने से किडनी के नुकसान होने का खतरा रहता है।

डॉ. गुलाटी के मुताबिक, ''मोटापा की वजह से प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से सीकेडी होने का खतरा है। यह 50–50 फीसदी की स्थिति है। पहली परिस्थिति में मोटापा के कारण सीधे तौर पर सीकेडी

हो सकता है और दूसरे तरह में मोटापे के कारण पहले मेटाबॉलिक सिन्ड्रोम बढ़ता है, जिसके कारण सीकेडी का जोखिम होता है। किसी भी मामले में हम एकसाथ दोनों तरह की बीमारियों का उपचार करते हैं, क्योंकि वे एकसाथ दोहरी गति से व्यक्ति को प्रभावित करते हैं। पिछले पांच वर्षों में मोटापे की समस्या बच्चों में भी तेजी से फैली है और बच्चों का मोटापा अब मिथक नहीं रह गया है। वयस्कों की तरह ही बच्चों के भी सीकेडी से प्रभावित होने का जोखिम हो सकता है और एक चिकित्सक के तौर पर हम ऐसे मामलों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देख रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों में मैंने ऐसे परिवारों का उपचार किया है, जिनके जीन मोटापा और सीकेडी दोनों की वजह रहे हैं और यह जानना डरावना है कि ये युवा पीढ़ी को ग्रसित कर सकते हैं।''

दोनों का कैसे ध्यान रखा जाए :

- नियमित तौर पर व्यायाम करें
- ब्ल्ड शुगर लेवल को नियंत्रित करें
- रक्तचाप को सामान्य स्तर पर बनाए रखें
- स्वस्थ खाएं और वजन को नियंत्रण में रखें
- स्वस्थ तरी पदार्थ का सेवन करें, पर्याप्त पानी पिएं
- धूम्रपान से परहेज करें
- खुद से दवा लेने और ओवर–द–काउंटर दवाओं से परहेज करें और
- 40 साल से अधिक उम्र पर सालाना चेकअप आवश्यक है

फोर्टिस फ्लाइट लेफ्टिनेंट राजन ढल हॉस्पिटल, वसंतकुंज (एफएचवीके) के फैसिलिटी डायरेक्टर श्री संदीप गुडुरू (**Mr. Sandeep Guduru**) ने कहा, ''फोर्टिस इंस्टीट्यूट ऑफ रीनल साइंसेज एंड ट्रांसप्लांट (एफआईआरएसटी) अपने गठन के बाद से ही 900 से ज्यादा किडनी ट्रांसप्लांट कर चुका है और हम अपने सभी मरीजों की उन्नत और समग्र देखभाल करने में सक्षम हैं। एफआईआरएसटी के तहत् हमने जटिल किडनी ट्रांसप्लांट, पीडिएट्रिक किडनी ट्रांसप्लांट, एचआईवी से पीड़ित मरीजों और एओबी असंगत ट्रांसप्लांट सफलतापूर्वक किए हैं। पहले दिन से ही डॉ. गुलाटी और उनकी टीम मरीजों को अपना सर्वश्रेष्ठ उपचार दे रहे हैं और वे हमारे अस्पताल में किडनी ट्रांसप्लांट कार्यक्रम के प्रणेता हैं।''

किडनी ट्रांसप्लांट क्रोनिक किडनी रोग से पीड़ित मरीजों के लिए इष्टतम उपचार है। वैसे मरीज जिन्हें किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह नहीं दी गई हो या डोनर किडनी का इंतज़ार कर रहे हों, वे आमतौर पर हिमोडायलिसिस या पेरोटोनियल डायलिसिस से उपचार करा सकते हैं। इसके साथ ही मरीजों को जीवनशैली में बदलाव, व्यायाम और समुचित आहार की सलाह दी जाती है। मोटापे

और सीकेडी के मरीजों की बड़ी संख्या को देखते हुए सुझाव दिया जाता है कि इसके रोकथाम और प्रबंधन की जानकारी का प्रसार देश भर में किया जाना आवश्यक है।

फोर्टिस अस्पताल वसंत कुंज के बारे में

फोर्टिस हॉस्पीटल वसंत कुंज 150 बिस्तरों की सुविधा वाला एनएबीएच मान्यता प्राप्त मल्टी–स्पेश्यलिटी, टर्शियारी केयर अस्पताल है जहां व्यापक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाती हैं। अस्पताल भारत में वर्ल्ड क्लास इंटीग्रेटेड हैल्थकेयर डिलीवरी सिस्टम तैयार करने की फोर्टिस हैल्थकेयर की दूरगामी सोच का परिणाम है। प्रीवेंटिव हैल्थ तथा इमरजेंसी सेवाओं के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं तथा अत्याधुनिक उपचार टैक्नोलॉजी समेत अस्पताल में सभी कुछ उपलब्ध है। इसकी हैल्थकेयर टीम में देश–विदेश के प्रतिष्ठित संस्थानों के स्वास्थ्य पेशेवर शामिल हैं जो संपूर्ण एवं दयाभाव के साथ मरीज़ों की देखभाल के लिए समर्पित हैं।

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड के बारे में

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमिटेड भारत में अग्रणी एकीकृत स्वास्थ्य सेवा प्रदाता है। कंपनी की स्वास्थ्य सेवाओं में अस्पतालों के अलावा डायग्नॉस्टिक एवं डे केयर स्पेश्यलिटी सेवाएं शामिल हैं। फिलहाल कंपनी भारत समेत दुबई, मॉरीशस और श्रीलंका में 54 हैल्थकेयर सुविधाओं (इनमें वे परियोजनाएं भी शामिल हैं जिन पर फिलहाल काम चल रहा है), करीब 10,000 संभावित बिस्तरों और 329 डायग्नॉस्टिक केंद्रों का संचालन कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें :

फोर्टिस हैल्थकेयर लिमि	एवियन मीडिया
अजेय महाराजः **+91 9871798573;** **ajey.maharaj@fortishealthcare.com** तनुश्री रॉय चौधरीः **+91 9999425750** **tanushree.chowdhury@fortishealthcare.com** प्रीति श्रीवास्तवः **+9109910605271** **Ms.priti@fortishealthcare.com**	रिशू सिंहः **+91-9958891501;** **rishu@avian-media.com** प्रीति सहरावतः **+91- 9711170599;** **preeti@avian-media.com**